मुझे वृन्दावन धाम बसाले रसिया

मुझे वृन्दावन धाम बसाले रसिया,
मीठी बंसी की तान सूना दे रसियां,

यमुना तट कभी बंसी वट पे तुझे ढूंढ़ने जाऊ,
तेरे मिलन को तरसे अखियां कैसे दर्शन पाउ,
अपनी सँवारी सी सूरत दिखादे रसियां,
मीठी बंसी की तान सूना दे रसियां,

नैन से नैन मिला के तूने लूट लिया दिल मेरा,
तेरी चौकठ पे मनमोहन डाला मैंने डेरा,
अपने गोपियों के बीच छिपाले रसियां,
मीठी बंसी की तान सूना दे रसियां,

तेरे दर्श को व्याकुल मनवा इक पल चैन न पाउ,
बिन तेरे हुआ जीना मुश्किल तड़प तड़प मर जाऊ,
मुझे तेरे बिन कौन समबाले रसियां,
मीठी बंसी की तान सूना दे रसियां,

तेरे पीछे ओ रंग रसिया छोड़ दियां जग सारा,
चित्र विचत्र का तेरे बिना न दूजा कोई सहारा,
अपने पागल को दिल से लगा ले रसियां,
मीठी बंसी की तान सूना दे रसियां,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/10993/title/mujhe-vrindhavan-dhaam-vasaale-rasiyan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |